ASU NEWS-LETTER

vol.3 No.1

January-February, 2018

ALLAHABAD STATE UNIVERSITY
CPI Campus
Mahatama Gandhi Road,
Civil Lines,
Allahabad-211001, U.P. India.
website: www.alldstateuniversity.org

❖

ADMINISTRATION :

Prof. Rajendra Prasad
Vice-Chancellor
Mobile: +91-9415313714
Ph.(O) 0532-2256206
Ph.(R) 0532-2256218
email:
rprasad55@rediffmail.com
vc@alldstateuniversity.org

♦

Dharmendra Prakash Tripathi
Finance Officer
Mobile No: +91-8004915375
Ph (O): 0532-2256222
email: financeofficer.asu@gmail.com

♦

(Dr.) Sahab Lal Maurya
Registrar
Mobile No.: +91-9415291923
Ph(O): 0532-2256207
email: registrarasua@gmail.com

♦

Sheshnath Pandey
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9839984620

R.B. Yadav
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9450369881

♦

Deepti Mishra
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9452092149

कुलपति की कलम से

नूतन वर्ष 2018 के शुभागमन पर विश्वविद्यालय परिवार की ओर से कोटि-कोटि अभिनन्दन। इस वर्ष विश्वविद्यालय के उत्तरोत्तर विकास की पूर्व-निर्धारित कार्य-योजनायें मूर्तरूप ग्रहण करने जा रही हैं, यथा-सरस्वती हाइटेक सिटी, सेक्टर-1 में मुख्य प्रशासनिक एवं अकादमिक भवनों के प्रथम चरण के निर्माण कार्य, नये पाठ्यक्रमों का सृजन, परीक्षा प्रणाली में सुधार आदि प्रमुख हैं।

सी0पी0आई0 आवासीय परिसर भवन में सेमेस्टर परीक्षाओं का मूल्यांकन कराकर परीक्षा परिणाम हेतु विश्वविद्यालय अग्रसर है। शोध को बढ़ावा देने के लिए शोध अध्यादेश पारित किया जा चुका है, जिससे ज्ञान-विज्ञान के सृजन, संचय एवं विस्तार के आशाजनक अवसर उत्पन्न हों। तत्क्रम में कार्य परिषद के निर्णय के आलोक में 'स्कालर-इन-रेजिडेंस', 'यूनिवर्सिटी-आर्म्ड फोर्सेज इंटरैक्सन प्रोग्राम' जैसी लोकहितकारी योजनायें लागू की जायेंगी। दीन दयाल शोध पीठ के तत्त्वावधान में शोधकार्य को बढ़ावा दिया जा रहा है। आशा है इन गतिविधियों से 'टाउन और गाउन' के मध्य निकट सम्बन्ध कायम होंगे और व्यक्ति द्वारा व्यष्टि के कल्याण का आधार पुष्ट होगा।

शुभकामनाओं सहित,

R. Prasad

(प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद)
कुलपति

ज्ञानं तेऽहं सविज्ञानमिदं वक्ष्याम्याशेषः।
यज्ज्ञात्वा नेह भूयोऽन्यज्ज्ञातव्यमवशिष्यते।। (7/2)
– श्रीमद्भगवद्गीता

• डॉ0 ओम प्रकाश श्रीवास्तव भारतीय इतिहास सम्मेलन (प्राचीन इतिहास) के अध्यक्ष

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में प्राचीन इतिहास विभाग के प्रो0 ओम प्रकाश श्रीवास्तव को भारतीय इतिहास सम्मेलन (प्राचीन इतिहास) के 79वें अधिवेशन के लिए अध्यक्ष चुना गया है। उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों में वह पांचवे एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय में तीसरे ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्हें यह सम्मान प्राप्त हुआ। इसके लिए प्राचीन इतिहास विभाग के आरिफ खान, पुष्पेन्द्र सिंह, विवेक कुमार, सुधाकर मिश्र, जाह्नवी मौर्या, सौरभ सिंह, एम0सी0 गुप्ता, आशुतोष सिंह, वकार अहमद, अमित सिंह ने उन्हें बधाई दी है।

डॉ0 ओम प्रकाश श्रीवास्तव

• इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने स्क्रूटिनी का परिणाम घोषित किया

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने स्क्रूटिनी का परिणाम घोषित कर दिया है। सत्र 2016-17 के बी0पी0एड्0, बी0ए0एल0एल0बी0, एल0एल0बी0, बी0बी0ए0, बी0सी0ए0 व बी0एस0-सी0 (कृषि) पाठ्यक्रमों की स्क्रूटिनी का परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.alldstateuniversity.org पर लॉगइन कर अपना परिणाम देख सकते है। कुलसचिव डॉ0 साहब लाल मौर्य ने यह जानकारी दी।

• अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् द्वारा स्वामी विवेकानन्द जी की जयन्ती पर ''स्वामी जी के सपनों का भारत'' (12 जनवरी, 2018) विषयक संगोष्ठी में सहभागिता

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की विश्वविद्यालय ईकाई द्वारा ''स्वामी

जी के सपनों का भारत' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस संगोष्ठी के मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद जी रहे। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कुलपति जी ने कहा कि स्वामी जी भारत के ही नहीं अपितु पूरे विश्व के युवाओं के प्रेरणास्रोत हैं जिन्होंने बहुत कम समय में पूरे विश्व में भारत को विश्व गुरु के रूप में एक पहचान दिलाने का काम किया। मुख्य वक्ता के रूप में उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के प्रमुख प्रवीन गुंजन ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि परिषद् अपने स्थापना काल से ही स्वामी विवेकानन्द जी को प्रेरणास्रोत के रूप में मानती आयी है और इन्हीं के सिद्धान्तों पर युवाओं व छात्रों के बीच संगठन लगातार सक्रियता के साथ कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री साहब लाल मौर्य, परिषद् के सहमंत्री अनुज शर्मा आदि उपस्थित रहें।

• इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर सेमेस्टर मुख्य परीक्षायें जनवरी 2018 से

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के नए व पुराने पाठ्यक्रम की सेमेस्टर परीक्षाएं जनवरी फरवरी 2018 में सम्पन्न

हुई। इसमें एम0ए0, एम0एस-सी, एम0कॉम0, एम0एड के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएँ तथा व्यावयासिक पाठ्यक्रमों में बी0ए0एल0एल0बी0, एल0एल0बी0, बी0एड0, बी0सी0ए0 और बी0पी0एड0 की प्रथम और तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएँ सम्मिलित थीं।

• इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में बोर्ड ऑफ स्टडीज का हुआ पुनर्गठन

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने वर्तमान में प्रभावी विश्वविद्यालय अध्यादेश में दिए गए प्रावधान के अनुसार विभिन्न विषयों की बोर्ड ऑफ स्टडीज (पाठ्यक्रम समिति) का पुनर्गठन कर दिया है। कुलपति ने सोशल वर्क, भौतिक विज्ञान, गणित, इतिहास, हिन्दी, रसायन विज्ञान, प्राचीन इतिहास, शारीरिक शिक्षा, कृषि शस्य विज्ञान, कृषि प्रसार विज्ञान, सांख्यिकी, बायोटेक तथा बी0लिब0 आदि विषयों की बोर्ड ऑफ स्टडीज का गठन किया है। रजिस्ट्रार डॉ0 साहब लाल मौर्य की ओर से बोर्ड ऑफ स्टडीज के गठन को आदेश जारी किए गए हैं।

• नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार राज्य विश्वविद्यालय की परीक्षाएं

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने वर्तमान में प्रभावी परिनियमावली के तहत सभी विषयों के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज का गठन कर दिया है। पाठ्यक्रम में संशोधन भी कर दिया है। मार्च में शुरू होने जा रही परीक्षाओं के तहत प्रथम वर्ष के विद्यार्थी संशोधित पाठ्यक्रम के आधार पर ही परीक्षा देंगे और इससे पहले सेमेस्टर परीक्षाएं भी संशोधित पाठ्यक्रम के आधार पर जनवरी- फरवरी माह में सम्पन्न हुई।

• इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में दिनांक 26 जनवरी 2018, गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रात: 08:00 बजे ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने ध्वजारोहण कर गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर अपने विचार व्यक्त किये। इस ऐतिहासिक अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएँ कुलसचिव श्री साहब लाल मौर्य और वित्त अधिकारी श्री डी0पी0त्रिपाठी सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे।

• संत रविदास जयंती समारोह के अवसर पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में द्वि-दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन (30-31 जनवरी 2018)

संत शिरोमणि रविदास उन महान सन्तों में से एक थे, जिन्होंने अपनी रचनाओं द्वारा समाज में फैली बुराइयों को

दूर करने में अपना अहम योगदान दिया। इनकी रचनाओं की विशेषता लोक-वाणी का अद्‌भुत प्रयोग है, जिनका जनमानस पर अमिट प्रभाव पड़ता है। सरल स्वभाव के संत रविदास की वाणी ज्ञानाश्रयी होते हुए भी, ज्ञानाश्रयी एवं प्रेमाश्रयी शाखाओं के बीच एक सेतु की तरह है। महान संत रविदास जी की जयंती उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश के अनुपालन में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के सभागार में मनायी गयी। इस अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस जयन्ती समारोह में बोलते हुए प्रो0 क्षमाशंकर पाण्डेय जी ने सन्त रविदास जी के व्यक्तित्व की चर्चा करते हुए कहा कि वे मध्यकाल में सामाजिक समभाव के शान्त प्रवक्ता थे। गुरु रविदास जी ने अपनी अस्मिता को स्वीकार करते हुए शान्त भाव से समाज को जोड़ने और आत्मोन्नति पर बल दिया। उनकी रचनाओं में दूसरों पर आक्षेप के बजाय आत्म परिष्कार पर ज्यादा बल है। वे बार-बार इस बात पर बल देते हैं कि व्यक्ति आत्मोन्नति करके आगे बढ सकता है जैसे शूद्र जाति में उत्पन्न मेरे आगे पंडित भी दण्डवत करते हैं। रविदास जी का मार्ग वस्तुत: शान्त प्रतिरोध का मार्ग है। कार्यक्रम में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के उपकुलसचिव श्री राजबहादुर यादव जी तथा डॉ0शेशनाथ पाण्डेय जी द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध 'महाविद्यालयों' में कार्यक्रम

• वैष्णव देवी प्रशिक्षण संस्थान के ''वार्षिकोत्सव'' समारोह (23 जनवरी, 2018) में सहभागिता

वैष्णव देवी प्रशिक्षण संस्थान में वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन हुआ। इसमें मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि शिक्षा से ही समाज आगे बढ़ेगा। आज देश में तकनीकी शिक्षा आवश्यक हो चुकी है, इस मौके पर विशिष्ट अतिथि डायट प्राचार्य डॉ0

ओमप्रकाश मिश्रा ने कहा कि शिक्षा ऐसा साधन है जिससे बचपन से लेकर युवावस्था तक बोलचाल, रहन-सहन की सीख मिलती है। इससे पूर्व माँ सरस्वती की प्रतिमा पर मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, बसंत गीत, परिवर्तन नाटक, कव्वाली, दहेजप्रथा पर गीत आदि प्रस्तुत किया। वार्षिकोत्सव समारोह पर आए हुए समस्त प्रबंधकों, शिक्षकों, अभिभावकों के प्रति संस्थान के प्रबंधक श्री छोटे लाल यादव ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन अनिल कुमार सिंह ने किया। इस दौरान डॉ0 विनय द्विवेदी, डॉ0 प्रवीण सागर शुक्ल, पूर्व प्रधानाचार्य विद्यासागर पांडेय, लक्ष्मीकांत मिश्रा, डॉ0 नन्हें लाल यादव, जीतलाल यादव, प्रो0 जमुना सिंह, डॉ0 आर0एस0सिंह, अनिल कुमार सिंह, राजकुमार जायसवाल, बिंदेश्वरी पटेल आदि उपस्थित रहे।

● हेमवती नन्दन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नैनी इलाहाबाद में ''वर्तमान युग में किशोरों का सशक्तिकरण: स्वास्थ्य व योग के विशेष संदर्भ में'' विषयक द्वि-द्विवसीय संगोष्ठी (03 फरवरी, 2018) में सहभागिता

हेमवती नन्दन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नैनी, इलाहाबाद में **''वर्तमान युग में सशक्तिकरण : स्वास्थ्य व योग के विशेष संदर्भ में''** विषय पर आयोजित द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे सत्र में विभिन्न विषयों पर विभिन्न विश्वविद्यालयों से आये प्रतिभागियों ने अपने शोध-पत्रों का वाचन किया। आमंत्रित वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय की डॉ0 गीता तथा डॉ0 किंशुक मुखर्जी (वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान) द्वारा प्रस्तुत शोध-पत्रों को श्रोताओं की सराहना मिली। डॉ0 गीता ने जहाँ किशोरों में व्याप्त संत्रास को दूर करने के विभिन्न आयामों की चर्चा की तो वहीं डॉ0 किंशुक ने किशोरों हेतु टेक्स्टाइल डिजाइनिंग के क्षेत्र में खुल रहे अवसरों से श्रोताओं को परिचित कराया।

संगोष्ठी के समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद तथा आमंत्रित वक्ता डॉ0 राजकुमार शर्मा, एल0 एन0 आई0 पी0 ई0, ग्वालियर, म0 प्र0 रहे। समापन सत्र में सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 हिरेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया तत्पश्चात् अतिथिद्वय के उद्बोधन हुए। जहाँ प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने अपने उद्बोधन में युवाओं से विवेकानन्द के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेते हुए स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहकर अपने दैनिक क्रियाकलापों के फिटनेस संबंधी ज्ञान के प्रसार के विभिन्न आयामों एवं उसके माध्यम से किशोरों के सशक्तिकरण को व्याख्यायित किया। मंच का संचालन डॉ0 अर्चना राय ने किया तथा डॉ0 रफत अनीस द्वारा आभार ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी व छात्र/छात्राऐं उपस्थित रहें।

• साकेत गर्ल्स डिग्री कॉलेज एवं साकेत डिग्री कालेज के ''वार्षिकोत्सव'' समारोह (04 फरवरी, 2018) में सहभागिता

साकेत गर्ल्स पीजी कालेज एवं साकेत गर्ल्स इंटर कालेज के संयुक्त वार्षिकोत्सव का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि महाविद्यालय न केवल शैक्षणिक क्रियाकलापों में आगे है, बल्कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा0ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम और माउंटेनमैन दशरथ मांझी को जोड़कर की गई प्रस्तुति की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा इनसे सभी को सीख लेनी चाहिए। कार्यक्रम में विधायक सदर संगमलाल, शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी, नागेंद्र सिंह, पूर्व विधायक हरि प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष प्रेमलता सिंह आदि मौजूद रहीं।

• कुलभाष्कर आश्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर का आयोजन

कुलभाष्कर आश्रम पी0जी0 कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष शिविर आरम्भ हुआ। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के एन0एस0एस0 समन्यवयक डॉ0 उपेन्द्र कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के महामंत्री डॉ0 पी0के0पचौरी, जिलाध्यक्ष डॉ0 आर0ए0 अवस्थी आदि मौजूद रहें। संचालन डॉ0 शशिकांत त्रिपाठी ने किया।

• कुलभाष्कर पी0जी0 कॉलेज का वार्षिक खेलकूद समारोह

कुलभाष्कर आश्रम पी0जी0 कॉलेज के द्वि-दिवसीय वार्षिक खेलकूद समरोह में बी0एस-सी0 द्वितीय वर्ष के छात्र आशीष कुमार ने 'प्लेयर ऑफ दि ईयर' के खिताब पर कब्जा जमाया। व्यक्तिगत उपाधि पुरुष वर्ग में बी0एस-सी0 प्रथम वर्ष के अशोक कुमार एवं महिला वर्ग में बी0एस-सी0 द्वितीय वर्ष की राहिला बानो के नाम रही।

मेजर डी0आर0 रंजीत सिंह स्पोटर्स काम्पलेक्स में सम्पन्न हुई द्वि-दिवसीय प्रतियोगिता के दौरान शतरंज, कैरम, बैडमिंटन एवं एथलेटिक्स के मुकाबले हुए। समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ0 साहब लाल मौर्य एवं विशिष्ट अतिथि उपकुलसचिव राजबहादुर यादव ने किया। के0पी0ट्रस्ट के अध्यक्ष राघवेंद्र नाथ सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कुलभाष्कर आश्रम पी0जी0 कालेज के प्राचार्य डॉ0 ज्योति शंकर ने अतिथियों का स्वागत एवं आयोजन सचिव डॉ0 पवन कुमार पचौरी, डॉ0 आर0ए0 अवस्थी एवं डॉ0 शशिकांत त्रिपाठी ने संचालन किया।

• हेमवती नन्दन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एन0एस0एस0शिविर का समापन

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना एकांश की ओर से आयोजित सात दिवसीय शिविर का समापन प्राथमिक विद्यालय पी0ए0सी0 में हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के मुख्य समन्वयक डॉ0 उपेन्द्र कुमार सिंह मौजूद रहे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह संगठन महात्मा

गाँधी एवं विवेकानन्द के आदर्शों से प्रेरित है। विशिष्ट अतिथि प्रो0 उमाकान्त यादव ने कहा कि स्वयं सेवकों का उत्साह व आत्मविश्वास बता रहा है कि उन्होने कार्य किया है। प्राचार्य डॉ0 हीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि एन0एस0एस0 विद्यार्थियों को एक जिम्मेदार नागरिक बनाता है। शिवनाथ चौरसिया एवं अलका सिंह को सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक चुना गया।

• ''भारतीय कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषकों'' को 20वें अधिवेशन के उद्‌घाटन समारोह में (17 फरवरी, 2018) सहभागिता

कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्र में नवयुवकों को आकर्षित करने, कम लागत में अधिक उत्पादन एवं कृषकों की आय को दोगुना करने हेतु आवश्यकतापरक आधुनिक पर्यावरण हितैषी प्रौद्योगिकियों के संदर्भ में जानकारी प्रदान करने हेतु कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषकों का अधिवेशन बायोवेद कृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान शोध संस्थान के सभागार में हुआ। इस अधिवेशन का उद्‌घाटन मुख्य अतिथि प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद एवं अध्यक्षता प्रो0 डॉ0 अख्तर हसीब, कुलपति, नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय, फैजाबाद ने की। इस अवसर पर डॉ0 ए0 के0 सरयाल, कुलपति, हिमाचल प्रदेश, कृषि विद्यालय, डॉ मधुबाला, निदेशक, रक्षा-अनुसंधान तथा विकास, संगठन, (हल्द्वानी, डॉ0 एस0 जे0 एस0. फ्लोरा निदेशक, सरसों अनुसंधान निदेशालय), श्री राजीव जेटली, राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भारत सरकार, सहायक डॉ0 एस0 डी0 मिश्रा महाप्रबधंक नाबार्ड अध्यक्ष एवं निदेशक डॉ0 बी0 के0 द्विवेदी बायोवेद शोध संस्थान की उपस्थित रहे। प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने उद्‌घाटन भाषण में कहा की राष्ट्रीय कृषि क्षेत्र के समक्ष उपस्थित चुनौतियों के समाधान, कृषि उत्पादकता में गतिशीलता, कृषक समुदाय के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और कम लागत में अधिक उत्पादन से लोगों का ध्यान कृषि क्षेत्र की ओर आकर्षित होगा। डॉ0 अख्तर हसीब द्वारा अध्यक्षीय भाषण में खेत से प्रयोगशाला और प्रयोगशाला से खेत की तकनीकियों की नई जानकारियों से किसानों को अवगत कराने पर बल दिया। डॉ0 एस0 डी0 मिश्रा ने अपने स्वागत भाषण में किसानों को एकीकृत एवं समन्वित ढंग से खेती करने पर बल दिया। डॉ0 बी0 के0 द्विवेदी निदेशक बायोवेद ने कहा कि खेती घाटे का सौदा होने के कारण एक मिनट में 45 किसान खेती से मुँह मोड़ रहे हैं। उत्पादित फल एवं सब्जियों में 30 से 40 प्रतिशत खराब हो जाने के कारण किसान को लाभ नहीं हो पाता है।

• करपात्री जी महराज राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पूरे गोसाई रानीगंज में ''पं0 दीनदयाल उपध्याय के एकात्मवादी मानवता दर्शन'' विषय पर द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (26 फरवरी, 2018) में सहभागिता

करपात्री जी महराज राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पूरे गोसाई रानीगंज में पं0 ''दीनदयाल उपाध्याय के एकात्मवादी मानवता दर्शन'' विषय पर द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। मुख्य अतिथि ने अपने अध्यक्षीय व्याख्यान में कहा कि **''भोगवादी संस्कृति एवं चुनौतियों का समाधान एकात्मवादी मानवता के मूल्यों पर आधारित लोकतंत्र में निहित है। पं0 दीनदयाल के विचारों से ही समाज को नई दिशा मिल सकती है''** कॉलेज की प्राचार्या डॉ0 अपर्णा मिश्र ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ0 हीरेंद्र प्रताप सिंह, प्रो0 क्षमाशंकर पाण्डेय, डॉ0 लालजी त्रिपाठी, डॉ0 श्याम नारायण, डॉ0 अंशुमान सिंह, डॉ0 गंगाराम वर्मा, डॉ0 नीलिमा सिन्हा, डॉ0 जंगबहादुर यादव, डॉ0 विशाल श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 विजय मिश्र ने किया।

टाउन एवं गाउन' के अन्तर्गत विश्वविद्यालय की सक्रियता

• हंसवाहिनी संस्था द्वारा ''हंसवाहिनी महोत्सव'' (07 जनवरी , 2018) में सहभागिता

हंसवाहिनी संस्था द्वारा ''हंसवाहिनी महोत्सव'' का आयोजन 7 जनवरी 2018 को सिविल लाइन स्थित गंगोत्री गार्डेन में किया गया। महोत्सव में कवि शैलेन्द्र मधुर द्वारा रचित गजल संग्रह ''हम भी हैं अदालत में'' का लोकार्पण किया गया।

समारोह में देश के प्रख्यात कवियों, शायरों द्वारा एक वृहद् कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ और उनका सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद कुलपति इलाहाबाद राज्य वि0वि0, इलाहाबाद ने की और मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री उ0प्र0 सरकार नन्दगोपाल गुप्ता 'नन्दी' मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य वक्ता डा0 बुद्धिनाथ मिश्र, एम0एल0सी0 यज्ञदत्त शर्मा, पूर्व मंत्री डा0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर मौजूद रहे। समारोह के दौरान अपनी प्रस्तुतियों से कवयित्री डा0 रूचि चतुर्वेदी, प्रीता बाजपेयी, नज़र इलाहाबादी, डा0 बुद्धिसेन, जमुना प्रसाद सहित कई कवियों और शायरों ने जमकर वाह-वाही लूटी। इस मौके पर मुख्य अतिथि नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने कहा कि साहित्य समाज को एक नई दिशा देता है। उन्होंने कहा कि वह प्रयास करेंगे कि साहित्यकारों, कवियों को सरकारी सहायतायें मिलें।

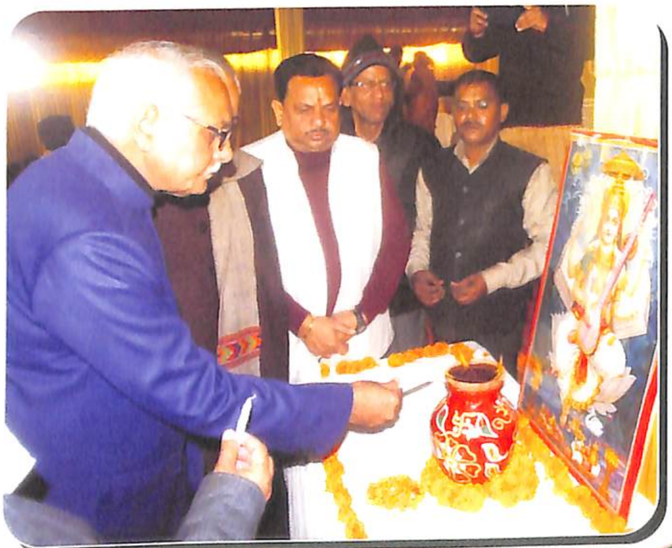

• यूइंग क्रिश्चियन स्नातोकत्तर महाविद्यालय में ''वर्तमान समय में शिक्षक-शिक्षा कार्यक्रम के परिवर्तित प्रतिमान : समस्याएं एवं संभावनायें'' विषय पर द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (24-25 जनवरी , 2018) में सहभागिता

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के स्वायत्तशासी महाविद्यालय यूइंग क्रिश्चियन स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा 24 एवं 25 जनवरी, 2018 को **''वर्तमान समय में शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम के परिवर्तितप्रतिमान : समस्याएं एवं संभावनायें''** विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि प्रो0 राजेंद्र प्रसाद, माननीय कुलपति इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद एवं अन्य अतिथियों का स्वागत संगोष्ठी के संयोजक द्वारा किया गया । मुख्य अतिथि ने सभी श्रोतागणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि "सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में प्रभावशाली मार्गदर्शन का कार्य कर रहा है । इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मूलभूत वास्तविकताओं को ध्यान में रख कर शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए ,जिसका लाभ हर वर्ग को हो सके । शिक्षा के पहलुओं में समय के साथ-साथ बदलाव होना भी आवश्यक है। तत्पश्चात द्वि-दिवसीय संगोष्ठी का संक्षिप्त सार डॉ0 जस्टिन पी. सहाय ने प्रस्तुत किया। संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि प्रो0 दिनेश कुमार, शिक्षाशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय ने वर्तमान समय में शिक्षा, शिक्षक एवं छात्रों की बदलती हुई भूमिका पर प्रकाश डाला। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, रायबरेली के संयुक्त निदेशक, श्री राम शंकर ने शिक्षकों की गुणवत्ता में हो रही गिरावट पर अपने विचार प्रस्तुत किये । शिक्षा विभाग की निदेशिका डॉ0जी0एस0जमन ने समारोह में प्रस्तुत होकर कार्यक्रम की शोभा बढाई। समापन समारोह के अन्त में विभागाधयक्ष डॉ0 विद्यापति, यूइंग क्रिश्चियन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

• हिन्दुस्तान एकेडमी में ''डॉ0 तेजबहादुर सप्रू के व्यक्तित्व एवं साहित्यिक योगदान'' विषयक पर द्वि-द्विवसीय संगोष्ठी (28 जनवरी, 2018) में सहभागिता

हिन्दुस्तान एकेडेमी के तत्वावधान में 'हिन्दुस्तान एकेडेमी के संस्थापक अध्यक्ष 'डॉ0 तेजबहादुर सप्रू के व्यक्तित्व एवं साहित्यिक योगदान' विषय पर द्वि-द्विवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने सर तेज बहादुर सप्रू के चित्र एवं माँ सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। एकेडेमी के सचिव रवीन्द्र कुमार ने अतिथियों का स्वागत शाल एवं स्मृति चिन्ह देकर किया।

प्रथम सत्र में डॉ0 फाजिल अहसन हाशमी द्वारा लिखित 'सर तेज बहादुर सप्रू: साहित्यिक व्यक्तित्व' नामक एकेडेमी से प्रकाशित पुस्तक का विमोचन हुआ। प्रथम सत्र की अध्यक्षता करते हुए पद्मश्री प्रो0 शम्सुर्रहमान फारूकी ने कहा कि सर तेज बहादुर सप्रू इलाहाबाद की शान थे। इलाहाबाद को इस बात का फक्र है कि सप्रू जैसा व्यक्तित्व इलाहाबाद में हुआ। सप्रू हिन्दुस्तान की तारीख का बहुत बड़ा हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा कि इलाहाबाद के साहित्य और संस्कृति को आगे बढ़ाने में इनका बहुत बड़ा योगदान है। इलाहाबाद वह शहर है, जहाँ से आजादी का सूरज उगा और इसमें सर तेज बहादुर सप्रू की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यह हर्ष का विषय है कि हिन्दुस्तानी एकेडेमी तेज बहादुर सप्रू को याद कर रही है। अपने संस्थापक हस्ताक्षरों को एकेडेमी को हमेशा ही याद करना चाहिए और उन पर कार्यक्रम आयोजित किये जाने चाहिए। उन्होने यथोक्त प्रकाशित पुस्तक की प्रशंसा की। मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने सप्रू के जीवन के विभिन्न बिन्दुओं पर रोशनी डाली और साथ ही उन्होंने कहा कि सप्रू एक उदारवादी व्यक्ति थे और सभी संस्कृतियों को हिन्दुस्तानी संस्कृति के रूप में एकजुट देखना चाहते थे ताकि देश का चारों ओर से विकास हो सके। सत्र के अन्त में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए एकेडेमी के सचिव रवीन्द्र कुमार ने कहा कि एकेडेमी विद्वतजनों के दिशा-निर्देशन में कार्य करती रही है।

• राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में "भूमण्डलीकरण एवं गाँधी चिन्तन" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (30 जनवरी, 2018) में सहभागिता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में "**भूमण्डलीकरण एवं गाँधी चिन्तन**" विषय

पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 आर0पी0मिश्र एवं इग्नू के समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 डी0 गोपाल की ओर से सम्पादित **'रीडिस्कवरिंग गाँधी सिरीज''** के आठवें संस्करण का विमोचन किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी ने कहा कि साध्य के साथ साधन की पवित्रता पर ध्यान देने की जरूरत है। विश्व में शांति स्थापित करने में गाँधीवादी विचारों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण हो सकती है। मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एम0पी0दुबे ने कहा कि गाँधी चिंतन आज पूरे विश्व में पहुँच गया है और उनके विचारों से पूरा विश्व प्रभावित है। कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0के0पी0पाण्डेय ने कहा कि गाँधी चिंतन का सबसे बड़ा दस्तावेज हिन्द स्वराज है। न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने कहा कि गाँधीजी के सोचने-समझने की क्षमता पर विचार करने की जरूरत है। न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि गाँधी चिंतन का मुख्य आधार सर्वोदय है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि गाँधी जी मानवता विहीन प्रौद्योगिकी के पक्ष में नहीं थे। गाँधीवादी चिन्तक एवं पूर्व सासंद प्रो0 रामजी सिंह ने संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कहा कि गाँधी चिंतन सिर्फ भारत नहीं बल्कि पूरे विश्व का चिंतन है। मुख्य वक्ता महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के प्रो0के0सी0 पांडेय ने कहा कि आज भूमंडलीकरण और उत्तर आधुनिकता की दो धाराएं समानांतर चल रहीं हैं। संगोष्ठी की विषय-वस्तु निदेशक प्रो0 सुधांशु त्रिपाठी ने प्रस्तुत की। डॉ0 रामजी मिश्र ने संचालन एवं प्रो0 जी0एस0शुक्ल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

• जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज के ''वार्षिकोत्सव'' समारोह में (05 फरवरी, 2018) में सहभागिता

जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति, प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो0 के0एस0मिश्र ने कल्याण कुमार घोष के साथ दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम की शुरूआत छात्राओं की ओर से प्रस्तुत गणेश वंदना से हुई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण **''शबरी की प्रतिक्षा''** नाटक की प्रस्तुति रही। शास्त्रीय संगीत की मनमोहक प्रस्तुति भी हुई। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0 कमला दुबे ने आख्या प्रस्तुत की। सांस्कृतिक सचिव डॉ0 अंशुमाला मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

• बापू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में "Child Labour and Juvenile Delinquency : Issues And Challenges" में द्वि-द्विवसीय संगोष्ठी (27 फरवरी, 2018) में सहभागिता

बापू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि भारत एक पुरातन संस्कृति का धारक राष्ट्र है, इसलिए बाल अपराध एवं बाल श्रम जैसी कुरीतियों को भारतीय संस्कृति को अपना कर दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बाल न्याय अधिनियम जैसे कानून केवल बन जाने से ऐसी समस्याएँ दूर नहीं हो सकती। उसके लिए समाज के हर व्यक्ति को आगे आकर काम करना होगा। बढ़ते इंटरनेट प्रयोग से भी साइबर क्राइम बढ़ रहा है, जिससे बच्चों में आपराधिक प्रवृत्तियाँ बढ़ती जा रही हैं। इसके लिए इंटरनेट जैसे प्रक्रम को सरकारी तंत्र की देख-रेख में कार्य करना चाहिए।

संगोष्ठी में लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो0 दीप्ति रंजन साहू ने कहा कि बाल अपराध एवं बाल श्रम की संरचना पारिवारिक संरचना, सामाजिक संरचना, आर्थिक संरचना एवं वर्ग संरचना पर निर्भर करती है। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि बाल अपराध एवं बाल श्रम भारत में व्याप्त विकास की अवधारणा की देन है क्योंकि यहाँ विकास की परिभाषा आर्थिक रूप से सम्पन्नता एवं शक्ति प्राप्त हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 एस0पी0एल0 श्रीवास्तव ने सभी आगन्तुकों अतिथियों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ0 प्रमोद कुमार, राकेश प्रताप सिंह, श्रीराम यादव, डॉ0 नम्रता प्रसाद, डॉ0 चंद्रिका लाल, हरि नारायण लाल, डॉ0 नित्यानंद,

डॉ0 प्रेमलता, डॉ0 करुणेन्द्र सिंह, डॉ0 सुनील कुमार, डॉ0 उमेश कुमार, डॉ0 संजीत सिंह, सूरज प्रकाश मिश्रा एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

• 02 नवंबर 2017 हिन्दुस्तान

।चेत्र प्रदर्शनी में दिखा कला कल्पना-साहित्य का संगम

वार्षिक परीक्षा को ऑनलाइन आवेदन शुरू

इलाहाबाद। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से बीए, बीएससी, बीकॉम द्वितीय वर्ष और एमए, एमएससी, एमकॉम द्वितीय वर्ष की वार्षिक संस्थागत परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए संबंधित महाविद्यालयों को कॉलेज लॉगइन 15 दिसंबर तक खुली रहेगी।

राज्य विवि में बैक पेपर 17 को

इलाहाबाद। राज्य विश्वविद्यालय की वार्षिक संस्थागत/व्यक्तिगत परीक्षा की बैक पेपर परीक्षा 17 नवंबर को दो पालियों में होगी। पहली पाली की परीक्षा सुबह आठ से 11 और दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर एक से चार बजे तक आयोजित की जाएगी। बीए प्रथम वर्ष (संस्थागत एवं व्यक्तिगत), बीएससी प्रथम वर्ष (संस्थागत), बीकॉम प्रथम वर्ष (संस्थागत एवं व्यक्तिगत) की बैक पेपर परीक्षा पहली पाली और एमए प्रथम वर्ष (संस्थागत एवं व्यक्तिगत), एमएससी प्रथम वर्ष (संस्थागत), एमकॉम प्रथम वर्ष (संस्थागत एवं व्यक्तिगत) और एमएससी (कृषि) प्रथम वर्ष (संस्थागत) की बैक पेपर परीक्षा दूसरी पाली में होगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. साहब लाल मौर्य के अनुसार कुछ विद्यार्थियों के अपूर्ण परीक्षाफल बैक पेपर परीक्षा-2017 के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि के बाद पूर्ण हो सके हैं। इसकी वजह से ऐसे अभ्यर्थी बैक पेपर के लिए आवेदन करने से वंचित हो गए हैं। ऐसे सभी अभ्यर्थियों को भी अवसर प्रदान करने के लिए बैक पेपर परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 10 नवंबर तक बढ़ा दी गई है।

10 तक जमा होंगे ऑनलाइन आवेदन

इलाहाबाद। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में सत्र 2017-18 की संस्थागत भूतपूर्व परीक्षा-2018 के लिए ऑनलाइन आवेदन 10 दिसंबर तक लिए जाएंगे। कुलसचिव डॉ. साहब लाल मौर्य के अनुसार परीक्षा शुल्क 12 दिसंबर तक जमा किया जा सकता है।

निरस्त परीक्षा अब 17 नवंबर को

इलाहाबाद। फतेहपुर के धर्मपाल सिंह चंद्रौल महाविद्यालय, गोपालपुर अढ़ौली में समूहिक नकल के आरोप में निरस्त की गई बीए प्रथम वर्ष की संस्कृत के पहले पेपर की परीक्षा अब 17 नवंबर को होगी। राज्य विवि के कुलसचिव डॉ. साहब लाल मौर्य के अनुसार परीक्षा का आयोजन फतेहपुर के अमर शहीद कंचन सिंह महाविद्यालय शिवपुरी में सुबह आठ से 11 बजे के बीच किया जाएगा।

एएसयू क्रिकेट टीम की कमान मिली समीर को

बैक पेपर परीक्षा के लिए केंद्र निर्धारित

इलाहाबाद। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय एवं संबद्ध समस्त महाविद्यालयों में सत्र 2016-07 की वार्षिक संस्थागत/व्यक्तिगत परीक्षा की बैक पेपर परीक्षा 17 नवंबर को दो पालियों में आयोजित की जानी है। इसके लिए केंद्रों का निर्धारण कर दिया गया है।

इलाहाबाद के अभ्यर्थियों को के लिए हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय महाविद्यालय नैनी, कौशाम्बी के छात्रों के लिए भवंस मेहता डिग्री कॉलेज कौशाम्बी, फतेहपुर के लिए महात्मा गांधी कॉलेज फतेहपुर और प्रतापगढ़ के छात्रों के लिए प्रताप बहादुर पीजी कॉलेज प्रतापगढ़ को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

चयन ट्रायल 24 व 25 को

इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की एथलेटिक्स टीम का गठन किए जाने के लिए 24 व 25 नवंबर को चयन ट्रायल का आयोजन किया गया है। यह चयन ट्रायल मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में होगा। इच्छुक छात्र व छात्राएं 24 नवंबर को सुबह 10:30 बजे मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में रिपोर्ट कर सकते हैं। खिलाड़ी की उम्र एक जुलाई को 17 वर्ष से कम व 25 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। उधर, वेटलिफ्टिंग की पुरुष व महिला टीम का चयन ट्रॉयल 24 को होगा। यह चयन ट्रायल इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप 2017-2018 के लिए होगा। खिलाड़ियों को अपराह्न तीन बजे विश्वविद्यालय के एमसीसी कैंपस में रिपोर्ट करना होगा। फुटबाल की पुरुष टीम का चयन ट्रायल इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप के लिए होना है 24 को एमसीसी कैंपस में अपराह्न दो बजे आयोजित किया गया है।

बोली न्यायमूर्ति विजयलक्ष्मी, सिविल संहिता से खत्म होगी धर्म आधारित विसंगतियां

'देश में यूनीफाइड संहिता का होना आवश्यक'

मानव कल्याण के लिए है गीता का दर्शन

'हर जीव भगवान का प्रिय'

एएसयू में बीएमएस की परीक्षाएं 14 से

इलाहाबाद। इलाहाबाद राज्य विवि (एएसयू) की बीएमएस एवं बीयूएमएस सत्र 2016-17 की प्रथम व्यावसायिक की परीक्षाएं 14 दिसंबर से कुलभाष्कर आश्रम पीजी कॉलेज में आयोजित की जाएंगी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. साहब लाल मौर्य के अनुसार बीएमएस में 28 और बीयूएमएस में 39 छात्र पंजीकृत हैं। परीक्षा नियंत्रक ने केंद्राध्यक्ष से कहा है कि परीक्षाएं सीसीटीवी कैमरा युक्त कमरों में कराई जाएंगी। प्रवेश पत्र संबंधित महाविद्यालयों की कॉलेज लॉगिन में 10 दिसंबर को ...

एएसयू के जूडो टीम का होगा चयन ट्रायल आज

इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के सभी विद्यार्थियों के लिए जूडो महिला व पुरुष टीम का चयन ट्रायल शुक्रवार को होगा। यह ट्रायल इविवि के साइंस ब्लाक के तरण ताल पर होगा। प्रतिभाग करने के इच्छुक विद्यार्थी अपराह्न चार बजे रिपोर्ट करें। यह जानकारी क्रीड़ा सचिव ...

निराला की कविता में करुणा की भावना

इलाहाबाद। कवि निराला का निर्बल एवं वंचितों के प्रति अपार स्नेह था। निराला की कविता में करुणा की भावना है। यह विचार इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय (एएसयू) के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने रविवार को महिला सेवा सदन डिग्री कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्यक्त किए। इसमें पूर्व कुलपति समेत अध्यक्ष प्रो. राजेंद्र कुमार, विशिष्ट निधि मनमोहन अग्रवाल एवं प्राचार्य डॉ. शीला रानी यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर संगोष्ठी का उद्घाटन किया। संगोष्ठी में अध्यक्ष प्रो. राम किशोर ने कहा कि निराला में तुलसी और कबीर दोनों का समाहार है। कविता गिलास में पानी नहीं कि पीया और समाप्त हो गया। कविता की प्यास बढ़ाती है। संगोष्ठी के दूसरे सत्र में विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए शोधार्थियों एवं शिक्षकों के लगभग 200 शोध पत्र पढ़े गए। संगोष्ठी में एएसयू के रजिस्ट्रार डॉ. साहब लाल मौर्य, डॉ. नरेंद्र देव पांडेय, डॉ. इच्छा नागर, डॉ. पार्वती सिंह, डॉ. आराधना कुमारी, प्रो. कुसुम सिंह, डॉ. विनोद निराला, डॉ. सूर्य नारायण सिंह आदि मौजूद रहे।

जापान जा सकेंगे भारतीय विद्यार्थी

लाहाबाद | प्रमुख संवाददाता

...पान सरकार ने जापान भ्रमण के लिए ...ने वाले भारतीय विद्यार्थियों के लिए ...वेश वीजा की पाबंदी को शिथिल कर ...या है। अब उन्हें भारत सरकार के ...न्यता प्राप्त शैक्षिक संस्थाओं के ...रिचय-पत्र दिखाने से जापान का वीजा ...ल सकेगा। यह जानकारी कनसाई ...पान इंडिया कल्चरल सोसाइटी के ...ध्यक्ष एवं ओसाका यूनिवर्सिटी ऑफ ...रिन स्टडीज जापान के प्रो. मिजोकामी ...मियो ने दी। वह राजर्षि टंडन मुक्त ...श्वविद्यालय की ओर से जापान-भारत ...बंध ऐतिहासिक, आर्थिक एवं ...स्कृतिक परिप्रेक्ष्य विषय पर आयोजित ...ाख्यान को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भारत और जापान ...अटूट संबंध है। किसी भी देश के ...विष्य का भार युवा पीढ़ी के कंधों पर ...ता है। एशिया के दो महान प्रजातांत्रिक ...शों जापान और भारत के भविष्य-...र्माता यही नई पीढ़ी हैं। दोनों देशों के ...ज्ज्वल भविष्य के लिए सबसे ...हत्वपूर्ण कदम युवाओं का आदान-...दान है। ऐसे में जापान सरकार का यह निर्णय दोनों ही देशों के लिए शुभ संकेत है। प्रो. मिजोकामी ने कहा कि यह वर्ष इसलिए भी स्मरणीय रहेगा क्योंकि दस साल के बाद इस वर्ष को जापान-भारत मैत्रीपूर्ण आदान प्रदानों के वर्ष के तौर पर मनाया जा रहा है।

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में शुक्रवार को संगोष्ठी को संबोधित करते प्रो. आरपी मिश्र (बीच में) और (बाएं से दाएं) प्रो. मिजोकामी, प्रो. राजेन्द्र प्रसाद व प्रो. एमपी दुबे।

जरूर दौड़ेगी बुलेट ट्रेन

प्रो. मिजोकामी ने कहा कि भारत में बुलेट ट्रेन जरूर दौड़ेगी। केंद्र सरकार ने मुम्बई और अहमदाबाद के बीच बुलेट ट्रेन शुरू करने का फैसला लिया है। प्रो. मिजोकामी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जापान गए थे तो उन्होंने टोक्यो से कोबे तक की दूरी इसी बुलेट ट्रेन से जापानी प्रधानमंत्री आबे के साथ ढाई घंटे में तय की थी।

विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र

इविवि के पूर्व कुलपति प्रो. आरपी मिश्र ने मुक्त विवि में विदेशी भाषा का विभाग खोलकर यहीं से जापानी भाषा का प्रचार प्रसार करने का सुझाव दिया। इलाहाबाद राज्य विवि के वीसी प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि जापान से संबंध जितना प्रगाढ़ होगा उतना सामरिक महत्व बढ़ेगा। मुक्त विवि के वीसी प्रो. एमपी दुबे ने कहा कि जापान में हिन्दू धर्म का भी प्रभाव है।

'स्कॉलर इन रेजिडेंस' को हरी झंडी

राज्य विवि कार्यपरिषद की बैठक में यूजी-पीजी के नए पाठ्यक्रम को भी अनुमति

अमर उजाला ब्यूरो

इलाहाबाद।

परास्नातक में सेमेस्टर प्रणाली लागू करने के तैयार अध्यादेश शोध अध्यादेश भी स्वीकृत

व्यक्तिगत परीक्षा के लिए मांगे ऑनलाइन आवेदन

इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के स्नातक प्रथम वर्ष व परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की व्यक्तिगत परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे गए है। यह परीक्षा सत्र 2016-2017 के विद्यार्थियों के लिए होगी।

स्नातक द्वितीय वर्ष व परास्नातक अंतिम वर्ष की भी व्यक्तिगत परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। आवेदन इलाहाबाद, प्रतापगढ़, फतेहपुर व कौशांबी परिक्षेत्र के विद्यार्थी 20 दिसंबर से कर सकेंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 10 जनवरी 2018 है। परीक्षा शुल्क, नियम व शर्तों से संबंधित अधिक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.alldstateuniversity.org पर देखा जा सकता है।

एएसयू में परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन 20 से

इलाहाबाद। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय (एएसयू) में स्नातक एवं परास्नातक परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। कुलसचिव डॉ. साहब लाल मौर्य के अनुसार सत्र 2017-18 को स्नातक प्रथम वर्ष एवं परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की व्यक्तिगत और सत्र 2016-17 की स्नातक द्वितीय वर्ष एवं परास्नातक अंतिम वर्ष को व्यक्तिगत परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन 20 दिसंबर से 10 जनवरी तक ऑनलाइन होंगे।

लोकनृत्य से छात्राओं ने मोह

वार्षिकोत्सव

एएसयू का यूंजी-पीजी पाठ्यक्रम बदला

अब स्नातक व परास्नातक में प्रश्न पत्र से होंगी द्वितीय व तृतीय वर्ष की परीक्षाएं

परिवर्तन

स्नातक और परास्नातक स्तर पर सत्र 2017-2018 में नवीन पाठ्यक्रम लागू

मुख्य परीक्षाएं जनवरी 2018 से

10 तक देखें उत्तर पुस्तिकाएं

विशेषज्ञ महाविद्यालयों और विवि के शिक्षकों को करेंगे प्रशिक्षित

एएसयू में परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन 20 से

इलाहाबाद। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय (एएसयू) में स्नातक एवं परास्नातक परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। कुलसचिव डॉ. साहब लाल मौर्य के अनुसार सत्र 2017-18 को स्नातक प्रथम वर्ष एवं परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की व्यक्तिगत और सत्र 2016-17 की स्नातक द्वितीय वर्ष एवं परास्नातक अंतिम वर्ष को व्यक्तिगत परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन 20 दिसंबर से 10 जनवरी तक ऑनलाइन होंगे।

जनवरी से शुरु होंगी राज्य विश्वविद्यालय की परीक्षाए

व्यक्तिगत परीक्षाओं के लिए आवेदन 20 से

अपनी कॉपी 10 तक देख सकते हैं अभ्यर्थी

Allahabad State University

MISSION STATEMENT

The prime mission of Allahabad State University is set to provide integrated approaches of local, regional, national and global opportunities for Higher Learning, research and engagement to the diverse sets of student population. The University intends to offers a full range of degree programmes at the Bachelor, Master, doctoral, post-doctoral and professional levels, coupled with the entire domain and scope of research and other creative activities.

GOALS

Allahabad State University is inclined to provide quality higher education to the younger generation, and intends to emerge as a " world class" multi-disciplinary global institution encompassing various branches and frontiers of higher learning and research in the entire domain, range and scope of "knowledge power". The University will envolve a student profile comparable with national and global (public and private) institutions of Higher Education by creating an environment in which students success in diverse areas can be seen to the optimum level. It will also fulfill the skill development and professional needs of creating a strong regional and state workforce, while emerging as a primary engine of social, economic and intellectual development in India in the Age of Globalization.

The University is also set to embark upon the path of realising its endeavors and accomplishments, coupled with the ability of the students and faculty to build a resource base of highest order.

As its primary goal, the Allahabad State University is dedicated to becoming a nationally and globally recognized institution in the 21st century along with the shared universal values of humanity at large. Accordingly, it is engaged to utilise its material, human and other resources for :

- Imparting higher education to fulfill the diverse needs of student community, including foreign students.
- Promoting excellence within the entire domain, range and scope of higher education and professional studies.
- Meeting cultural and other challenges to our nation-building and eventually augmenting the quality of life in the urban and rural areas through teaching, learning, advanced research and multi-dimensional activities.